

GEETA NIKETAN COLLEGE OF NURSING

Recognised by HNRC Panchkula (Govt. of Haryana) Affiliated by Pt. B.D. Sharma U.H.S. Rohtak

REGISTRATION OPEN
Session 2026-27
AC HOSTEL Facility Available

P.B. B.Sc. NURSING
2 Years GNM Pass

GNM
3 Years 12th Any Stream
No Fees for S.C. Students

ANM
2 Years 12th Any Stream
No Fees for S.C. Students

B.Sc. NURSING
4 Year | 10+2 (Medical)

Loharu Road, Charkhi Dadri M. 9812538777, 9034669933



खबर संक्षेप

श्रीलालदास मंदिर में चार दिवसीय मेला आज से

भिवानी। जैन चौक स्थित श्रीगोस्वामी लालदास मंदिर में गोस्वामी लालदास महाराज के 80वें निर्वाण दिवस के उपलक्ष्य में 15 से 18 सितंबर तक चार दिवसीय भादो षष्ठी महोत्सव आयोजित होगा। मंदिर सचिव गणपतराय जसूजा ने बताया कि 15 व 16 सितंबर को रात्रि सत्संग व भजन-कीर्तन होंगे। 17 को हवन, सत्संग-प्रवचन, अतिथि सत्कार और विशाल भंडारा होगा। शाम को श्याम बाबा जागरण आयोजित किया जाएगा। अंतिम दिन 18 को शहर में भव्य ज्योति यात्रा निकलेगी। स्वामी कृष्णानंद सरस्वती और महंत बालयोगी चरणदास महाराज का भी सान्निध्य रहेगा।

गूंजेगा राधा रानी का नाम, 20 को संकीर्तन

भिवानी। शहर के सेक्टर-13 स्थित श्रीहरिहर मंदिर पार्क में रविवार 20 सितंबर को राधा नाम संकीर्तन का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम का उद्देश्य समाज में आध्यात्मिक चेतना, सौहार्द को बढ़ावा देना है। आयोजकों के अनुसार वृंदावन के प्रसिद्ध भजन गायक मुकुल द्विवेदी अपनी मधुर भक्तिमय प्रस्तुतियों से श्रद्धालुओं को राधा नाम के रस में सदाभक्त करेंगे। उन्होंने बताया कि संकीर्तन के माध्यम से लोग रोजमरा के तनाव से मुक्त होकर प्रभु भक्ति में लीन होकर आत्मिक शांति प्राप्त कर सकेंगे। आयोजकों ने भिवानी और आसपास के क्षेत्रों के श्रद्धालुओं से कार्यक्रम में पहुंचकर राधे-राधे का स्मरण करने और भक्तिमय वातावरण का लाभ उठाने की अपील की।

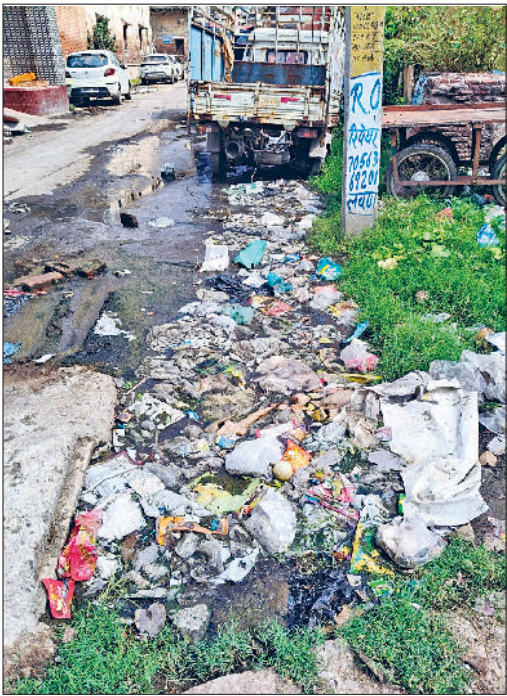
गली व सड़कों पर फैल रहा गंदा पानी,अटे नालों ने रोकी स्वच्छता की कहानी शिल्ट और कचरे ने रोके पानी के कदम, बिन बारिश नाले हुए बेदम

रोज रोज नालों के ओवर फलों होने से शहर के लोग नारकीय जीवन जीने पर मजबूर

हरिभूमि न्यूज >>> मिवाणी

बिन बारिश के शहर के नाले ओवरफ्लो होकर पानी सड़क व गलियों में फैल रहा है। हालात ये बने हैं कि सुबह व शाम के वक्त घरों से ज्यादा पानी की निकासी होने की वजह से गली व सड़कों पर बारिश के पानी जैसा नजारा बन जाता है। चूँकि नालों में उपर तक गाद व शिल्ट जमी है। उसके अलावा कचरा व प्लास्टिक के पॉलीथिनो ने पानी के राह को पूरी तरह से रोक दिया है। थोड़ा सा पानी ज्यादा निकलते ही सड़क व गलियों में चलने के लायक भी जगह नहीं बचती। हालांकि बारिश का सीजन शुरू होने (जून) से पहले नालों की सफाई हुई थी,लेकिन अब फिर से नालों का शिल्ट व कचरे की वजह से दम निकल गया है। रोज रोज नालों के ओवर फलों होने से शहर के लोग नारकीय जीवन जीने पर मजबूर हो रहे है।

वैसे तो शायद शहर का कोई हिस्से का ऐसा नाला व नाली नहीं होगी,जिसमें शिल्ट व प्लास्टिक का कचरा आदि न जमा हो,लेकिन सबसे बुरी स्थिति हरजीकान से चौक व मानान पाना के नालों की बनी है। इन नालों में शहर के ज्यादा इलाके का पानी पहुंचता है। जिस वजह से इनमें ज्यादा शिल्ट, गाद व कचरा जमा है। कचरे की



बीमारी फैलने की बनी आंशका

नालों का पानी आगे न बहने की वजह से पानी गली व सड़कों पर जमा हो रहा है। उस पानी में कचरा व गंदगी जमा होने से वहां पर सड़ांध भी आने लगी है। अगर पानी की निकासी नहीं हो पाती तो इन इलाकों में महामारी फैलने की आशंका बन जाएगी। चूँकि अब गंदगी में मच्छर पनपने लगे हैं। जिससे अनेक तरह की बीमारी फैलने की आशंका बनी है। अगर समय रहते प्रशासन नहीं चेता तो शहर में महामारी फैल सकती है।

तो शहर का बरसाती पानी निकलने की कोई सही व्यवस्था नहीं है। क्योंकि नालों से पानी आगे नहीं बह पाएगा और उसके बाद पानी डिस्पोजल तक किसी तरह से पहुंचेगा। फिलहाल शहर से निकलने वाला गंदा पानी नाले सड़क व गलियों में ही उगल रहे है। जिसके चलते इन क्षेत्रों से लोगो का निकलना दूधर हो गया है।



बवानीखड़ा। बवानीखड़ा शहर में पुराने नगरपालिका कार्यालय के पास प्रचलित वीके फोटोस्टेट के पीछे लगे गंदगी के ढेर।
फोटो : हरिभूमि

पुराने नपा कार्यालय के पास फैली गंदगी से दुकानदार परेशान

हरिभूमि न्यूज >>> बवानीखेड़ा

दुकानदार बोले- बाजार में बैठना भी हो गया है दूधर

बवानीखेड़ा शहर में पुराने नगरपालिका कार्यालय के पास प्रचलित वीके फोटोस्टेट के पीछे पिछले काफी समय से फैली गंदगी के कारण आसपास के दुकानदारों और लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। जगह-जगह कूड़ा-कचरा और गंदगी जमा होने से वातावरण खराब हो रहा है। दुकानदारों में मुकेश कुमार, गुलशन, प्रवीन कुमार, रिकू, गौरव, श्यामसुंदर, हरिराम आदि का कहना है कि गंदगी के कारण दुकानों पर बैठना भी दूधर हो गया है। दुकानदारों ने बताया कि दुकानें खोलकर रोजाना काम करना उनकी मजबूरी है, लेकिन आसपास सफाई व्यवस्था ठीक नहीं होने से उन्हें परेशानी उठानी पड़ रही है।

गंदगी के कारण दुर्गंध फैलने के साथ ही लोगों को संक्रमण और मच्छरों के पनपने की भी चिंता बनी रहती है। आसपास से गुजरने वाले लोगों को भी परेशानी का सामना करना पड़ता है। दुकानदारों और स्थानीय लोगों ने बताया कि नपा कर्मचारी हड़ताल पश्चात नियमित रूपसे आते हैं लेकिन सफाई व्यवस्था में कुछ लोग अवमानना करते हुए इसी स्थान पर गंदगी डाल रहे हैं सभी ने संबंधित विभाग से मांग की है कि समस्या का स्थायी समाधान किया जाए। उनका कहना है कि नियमित सफाई व्यवस्था सुनिश्चित करने के साथ कूड़ा डालने की उचित व्यवस्था की जाए, ताकि दोबारा गंदगी जमा न हो। स्थानीय दुकानदारों ने प्रशासन और नगरपालिका अधिकारियों से मौके का निरीक्षण करवाकर जल्द समाधान करने की मांग की है। उनका कहना है कि सफाई व्यवस्था बेहतर होने से दुकानदारों के साथ-साथ आम लोगों को भी राहत मिलेगी। इस बारे में नपा प्रधान सुंदर अत्री ने बताया कि इस स्थान को बेहतर बनाने का कार्य किया गया लेकिन कुछ लोग गंदगी डाल रहे हैं, उन्हें समझाने का प्रयास किया जाएगा क्योंकि शहर हम सभी का साझा है वहीं उन्होंने जल्द ही गंदगी के लिए विशेष प्रबंध करने के भी संकेत दिए गए हैं।

कपास बीमा, सूखे एवं स्मार्ट मीटर के मुद्दे पर बैठक कल

हरिभूमि न्यूज >>> बाढ़ड़ा

भारतीय किसान मजदूर यूनियन की ओर से किसानों और मजदूरों से जुड़े विभिन्न मुद्दों को लेकर 16 सितंबर बुधवार को सुबह 11 बजे बाढ़ड़ा अनाजमंडी में आपात बैठक बुलाई गई है। बैठक में वर्ष 2023 के कपास फसल बीमा मामले में किसानों को अब तक बीमा कंपनी की ओर से राशि नहीं मिलने समेत कई मुद्दों पर चर्चा की जाएगी।

यूनियन के जिला अध्यक्ष राजकुमार हड़दी ने बताया कि कपास बीमा मामले में सरकार व बीमा कंपनी के साथ फैसला हुए करीब चार महीने बीत जाने के बावजूद प्रभावित किसानों के खातों में बीमा राशि नहीं पहुंची है। वहीं,

वर्ष 2023 की कपास फसल बीमा मामले में अब तक नहीं मिला बीमा राशि

कम बारिश के कारण किसानों की फसलों को हुए नुकसान और प्रदेश को सूखाग्रस्त घोषित कर विशेष गिरदावरी करवाने की मांग पर भी विचार किया जाएगा।

भारत-अमेरिका समझौते पर भी होगी चर्चा: बैठक में भारत-अमेरिका कृषि व्यापार समझौते के संभावित प्रभाव तथा किसानों के लिए लगाए जा रहे स्मार्ट मीटर के मुद्दे पर भी चर्चा होगी। यूनियन ने किसान और मजदूर वर्ग से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर अपने सुझाव रखने का आह्वान किया है।

जिले को सूखाग्रस्त घोषित करने की मांग को लेकर सौंपा ज्ञापन

हरिभूमि न्यूज >>> बाढ़ड़ा

किसान सभा पदाधिकारियों ने उपमंडल मुख्यालय पर रोष मार्च निकालकर एसडीएम को ज्ञापन सौंपा तथा तत्काल प्रभाव से वर्ष 2023 के लंबित कपास फसल बीमा क्लेम जारी करवाने, चालू खरीफ फसलों को सूखाग्रस्त घोषित कर उचित मुआवजा देने तथा आगामी बाजरे की सरकारी खरीद की पुख्ता व्यवस्था सुनिश्चित करने की मांग की।

किसान सभा के हलका अध्यक्ष नसीब सिंह कारीमोद की अध्यक्षता में बैठक को संबोधित करते हुए किसान नेता रामपाल धारणी ने कहा कि केन्द्र व प्रदेश सरकार लगातार किसान व श्रमिक हितों से लिए लगाए जा रहे स्मार्ट मीटर के मुद्दे पर भी चर्चा होगी। यूनियन ने किसान और मजदूर वर्ग से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर अपने सुझाव रखने का आह्वान किया है।



संघर्ष के उपरांत संबंधित पक्षों, बीमा कंपनी और प्रशासन के बीच समझौता तय होने के बावजूद अधिकांश पात्र किसानों के बैंक खातों में फसल बीमा मुआवजा की निर्धारित राशि नहीं भेजी है, जिससे किसानों में गहरा असंतोष है। उन्होंने वर्तमान खरीफ सीजन में समय पर पर्याप्त मानसूनी बरसात न होने के कारण बाढ़ड़ा उपमंडल में ग्वार, बाजरा, मूंग सहित अन्य सभी खरीफ फसलों पर भीषण सूखे की स्थिति बन चुकी है।

फसले सूखने के कगार पर: इन दिनों खेत में खड़ी फसलें पूरी तरह सूखने के कगार पर

पहुंच चुकी हैं, जिससे काशतकारों के अत्यंत गंभीर आर्थिक क्षति उठानी पड़ रही है। वहीं आगामी दिनों में बाजरे की फसल पकने के दौर में है जिसके दृष्टिगत क्षेत्र की अनाजमंडियों में सूचारू व समयबद्ध खरीद व्यवस्था होना जरूरी है। बैठक के बाद सभी

ये रहे मौजूद

किसान प्रतिनिधिमंडल में रामपाल धारणी, ओमप्रकाश खोरडा, नसीब मोद, सत्यवान पंचगोवाल, महीपाल, रघुवीर, महिपाल, जगमाल, सत्यवान, राजेन्द्र व रमेश आदि मौजूद रहे।

किसान एसडीएम कार्यालय पहुंचे और एसडीएम को मांगपत्र देकर कपास बीमा मुआवजा भुगतान पर कार्यवाही करते हुए वर्ष 2023 का लंबित कपास फसल बीमा क्लेम अविलंब जारी करवाया जाए। पूर्व में हुए आधिकारिक समझौते के अनुसार पात्र किसानों को संपूर्ण बीमा मुआवजा राशि दिलवाई जाए।

बरसात के भारी अभाव को देखते हुए ग्वार, बाजरा, मूंग फसलों को तत्काल सूखाग्रस्त घोषित किया जाए। सूखे से शत-प्रतिशत बर्बाद फसलों की फीरी विशेष गिरदावरी करवाकर किसानों को उचित आर्थिक मुआवजा दिया जाए।

विधायक व नप चेयरपर्सन प्रतिनिधि ने किया शुभारंभ परशुराम कॉलोनी में 35 लाख से बनेंगी गलियां

हरिभूमि न्यूज >>> मिवाणी

परशुराम कॉलोनी के निवासियों को बड़ी राहत और सौगात मिली। वार्ड नंबर-18 स्थित इस कॉलोनी में लगभग 35 लाख रुपये की लागत से बनने वाली 4 नई गलियों के निर्माण कार्य का शुभारंभ किया गया। भिवानी के विधायक घनश्याम सराफ और नगर परिषद चेयरपर्सन प्रतिनिधि भवानी प्रताप सिंह ने संयुक्त रूप से नारियल फोड़कर इस विकास कार्य की नींव रखी। इस अवसर पर वार्ड नंबर-18 के पार्षद अनिल कुमार विशेष रूप से मौजूद रहे। नई गलियों के निर्माण से स्थानीय निवासियों को जलभराव और जर्जर रास्तों की समस्या से मुक्ति मिलेगी। कार्यक्रम के दौरान विधायक घनश्याम सराफ ने कहा कि भिवानी शहर के



हर कोने तक मूलभूत सुविधाएं पहुंचाना राज्य सरकार और स्थानीय प्रशासन की पहली प्राथमिकता है। परशुराम कॉलोनी की इन गलियों के बनने से क्षेत्र के सैकड़ों परिवारों को आवागमन में सुगमता मिलेगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि विकास कार्यों की गुणवत्ता में किसी

भी प्रकार का समझौता नहीं किया जाएगा और सभी निर्माण कार्य तय समय सीमा के भीतर पूरे किए जाएंगे। कॉलोनी के निवासियों ने नेताओं का फूल-मालाओं से स्वागत किया। गलियों के बन जाने से न केवल बारिश के मौसम में कीचड़ की समस्या खत्म होगी,

बल्कि कॉलोनी का समग्र रूप से कायाकल्प होगा। इस अवसर पर प्रदीप शर्मा, जयवीर जांगड़ा, संजय, जोनी, प्यारेलाल, नौरंग, सुमन देवी, सुनीता, संतोष देवी, कमला, बिमला, योगिता सहित अनेक क्षेत्रवासी मौजूद रहे।

पशु चिकित्सालय के भवन में घटिया निर्माण सामग्री के इस्तेमाल का आरोप

अतिरिक्त उपायुक्त भिवानी ने अधिकारियों को दिए निष्पक्ष जांच के निर्देश

हरिभूमि न्यूज >>> बहल

कस्बे के पशु चिकित्सालय में निर्माण कार्य के दौरान कथित तौर पर घटिया सामग्री का इस्तेमाल किए जाने का मामला प्रशासन के संज्ञान में पहुंच गया है।

मामले की गंभीरता को देखते हुए अतिरिक्त उपायुक्त, भिवानी ने शिकायत की जांच के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देश जारी किए हैं। इससे पहले ग्रामीणों ने यह मामला

शिकायत कर्ता को उपस्थित होने के निर्देश

वहीं, शिकायत की जांच में सहयोग के लिए शिकायत कर्ता बहल निवासी राजेश अग्रवाल को भी संबोधित सभी दस्तावेजों के साथ 22 सितंबर को सुबह 11:30 बजे अतिरिक्त उपायुक्त कार्यालय में उपस्थित होने के निर्देश दिए गए हैं। मामला प्रकाश में आने के बाद पशुपालन विभाग की ओर से भी निर्माण सामग्री के नमूने एकत्रित किए गए थे।

जिला उपायुक्त के समक्ष उठाकर मामले की जांच की मांग की थी। अब एडीसी कार्यालय की ओर से 9 सितंबर को जारी पत्र के अनुसार, बहल पशु चिकित्सालय में बिल्डिंग निर्माण में घटिया सामग्री का उपयोग किए जाने संबंधी शिकायत प्राप्त हुई थी। इससे पहले उपायुक्त, भिवानी कार्यालय की ओर से 2 सितंबर को ई-मेल के माध्यम से इस मामले की जांच सतर्कता कमेटी से करवाने के लिए पत्र भेजा गया था। जारी पत्र के अनुसार शिकायत की जांच के लिए 22 सितंबर को सुबह 11:30 बजे अतिरिक्त उपायुक्त, भिवानी के समक्ष उपस्थित होना सुनिश्चित करें। साथ ही कार्यकारी अभियंता पीडब्ल्यूडी बीएंडआर, भिवानी को अपने स्तर पर मामले की जानकारी कनिष्ठ अभियंता, पीडब्ल्यूडी बीएंडआर, बहल को देने के निर्देश दिए गए हैं।



सहेली

जब बच्चा माता-पिता से संवाद करने से बचने लगे

किशोरवय बच्चे अकसर अपने माता-पिता से बहुत कम बात करते हैं, एक दूरी-सी बना लेते हैं, जबकि बच्चे के बहुमुखी विकास के लिए पैरेंट्स के साथ उनका निरंतर संवाद बहुत जरूरी है। बच्चे किन कारणों से पैरेंट्स से संवाद करने से बचते हैं? पैरेंट्स ऐसी स्थिति में क्या करें, एक जरूरी सलाह।

बच्चे और आप

नीलम अरोड़ा

बच्चा जब छोटा होता है, माता-पिता ही उसकी दुनिया होते हैं। माता-पिता अपने बच्चे की परवरिश में दिन-रात एक करते हैं। अपने बच्चे की पहली मुस्कान, उसका पहला कदम और उसका बोला पहला शब्द ही उनकी सबसे बड़ी खुशी होते हैं। यही बच्चा जब बड़ा हो जाता है, तो कई बार वह अपने पैरेंट्स से बहुत कम बात करने लगता है। कभी-कभी वह अपनी कोई भी बात नहीं बताता। धीरे-धीरे रिश्तों में संवाद कम होने लगते हैं। ऐसे में माता-पिता यही सोचते हैं कि उनसे कोई ऐसी गलती तो हुई है, जो उनका बच्चा उनसे बात नहीं करता। बच्चे और पैरेंट्स के बीच संवादहीनता की कई वजहें हो सकती हैं, इसे माता-पिता को समझना चाहिए और बच्चे से निरंतर संवाद बनाकर रखना चाहिए।

बच्चे गुजरते हैं कई तरह के बदलावों से: तेह्र साल के अठारह साल के बच्चे मानसिक और भावनात्मक रूप से कई तरह के बदलावों से गुजरते हैं। वे अपने माता-पिता से कम, बाहर की दुनिया से ज्यादा प्रभावित रहते हैं। इस दौरान वे अपनी पहचान बनाने के लिए निरंतर मानसिक रूप से संघर्ष करते हैं। ऐसे में पैरेंट्स को चाहिए कि वे उनकी प्राइवसी का सम्मान करें। हर बात वे आपको बताएं इसकी उम्मीद न करें, अपने बच्चे पर अपना विश्वास जताएं।

घर में कलह की स्थिति: बच्चे की अपने माता-पिता के साथ संवादहीनता की एक सबसे बड़ी वजह होती है, घर में कलह का माहौल। ऐसा माहौल पैरेंट्स की तुलना में बच्चे को कई गुना ज्यादा तनावग्रस्त करता है। उसे लगता है कि उसकी समस्याओं का निवारण कौन करेगा, जब पैरेंट्स खुद ही समस्याग्रस्त हैं। पैरेंट्स को चाहिए कि वे बच्चों के सामने लड़ाई-झगड़ा न करें, घर का वातावरण सकारात्मक रखें।

दोस्तों के साथ ज्यादा कनेक्ट: आजकल बच्चे



अपने माता-पिता से बातचीत कम करते हैं, अपने दोस्तों के साथ ज्यादा कनेक्ट रहते हैं, क्योंकि उन्हें दोस्तों के साथ ज्यादा अपनापन फील होता है। दोस्त चूंकि उनके हमउम्र होते हैं, इसलिए वे उनकी समस्याओं को ज्यादा गहराई से समझ पाते हैं। बच्चे को ताने मारना: बच्चे अकसर अपनी बातें पैरेंट्स से शेयर करने से इसलिए भी बचते हैं, क्योंकि उन्हें लगता है कि उनकी बातों पर ध्यान नहीं दिया जाता और बताई गई बातों पर ताना दिया जाएगा। इसलिए वे अपने करियर, अपनी असफलताएं, पढ़ाई का तनाव और अपने रिलेशनशिप इश्यू के बारे में पैरेंट्स से कुछ साझा नहीं करते। ऐसे में पैरेंट्स को चाहिए कि वे बच्चे की जज करने की बजाय उसकी उम्र और उसकी परिपक्वता के अनुसार उसको सुनें और उनकी भावनाओं का सम्मान करें।

दूसरों से तुलना: अकसर पैरेंट्स अपने बच्चों की परफॉर्मेंस को तुलना दूसरों से करते हैं, इससे बच्चे में आत्मविश्वास कम होता है। पैरेंट्स को समझना चाहिए कि हर बच्चे की क्षमता अलग-अलग होती है। उसकी छोटी उपलब्धियों को बड़ी उपलब्धि में बदलने में पैरेंट्स को अपनी सकारात्मक भूमिका निभानी चाहिए। बच्चे में हमेशा कमियां निकालना: कभी-कभी बच्चा अपने पैरेंट्स से अपनी बात कहने से इसलिए भी डरता है, क्योंकि वे हमेशा उसकी कमियां निकालते हैं। उसकी गलती पर वे उसे प्यार से समझाने की बजाय, डांटते हैं। इस तरह बच्चा धीरे-धीरे सच कहने से डरने लगता है। बच्चे को अपने पैरेंट्स सपोर्टिव और अपना घर सुरक्षित लगना चाहिए।

क्या दांपत्य प्रेम की कोई एक्सपायरी डेट होती है

किसी भी दंपती के बीच प्यार-रोमांस हमेशा विवाह के शुरुआती समय की तरह बना रहे, यह मुमकिन नहीं है। बीते समय के साथ उनके प्यार के स्वरूप में बदलाव आ जाता है। प्यार का अंदाज रुमानी नहीं रहता। प्यार के इस बदले रूप को, दांपत्य जीवन की वास्तविकता को पति-पत्नी समझ नहीं पाते। उन्हें लगता है उनका प्यार एक्सपायरी डेट में पहुंच गया है। पति-पत्नी प्यार में हमेशा सराबोर रहें, इसके लिए उन्हें कुछ खास बातों का ध्यान रखना होगा।

कवर स्टोरी

पूतिं खरे

शादी के पांच साल बाद एक दिन पत्नी ने अचानक पूछा, 'सुनिए, क्या आपको नहीं लगता कि अब हम पहले जैसे नहीं रहे?' पति मुस्कुरा दिए, बोले, 'हां, पहले हम रात-रात भर प्यार में पगी बातें करते थे। अब बिजली का बिल और बच्चों की फीस पर चर्चा करते हैं।' इस बात पर दोनों हंस पड़े। लेकिन यह हंसी अपने भीतर एक गंभीर प्रश्न भी समेटे हुए थी। क्या सचमुच लंबे समय बाद रिश्तों में ऊब आ जाती है? क्या दांपत्य-प्रेम की भी कोई एक्सपायरी डेट होती है? या फिर इस प्रेम को केवल उसके शुरुआती रूप में पहचानते हैं, बाद में इसके बदलते स्वरूप को दंपती स्वीकार नहीं कर पाते?

जीवन और रिश्ते दोनों परिवर्तनशील हैं: आज के समय में दांपत्य रिश्तों की दूरी का सबसे बड़ा कारण केवल मतभेद नहीं, रिश्तों में बोरियत आना भी एक कारण है। दरअसल, हम प्रेम से पहले इसके प्रति एक उत्साह की अपेक्षा करते हैं, फिर जीवन भर इसी उत्साह को बनाए रखने की उम्मीद भी करते हैं, जबकि जीवन और रिश्ते दोनों ही परिवर्तनशील हैं।

प्रेम का स्वरूप बदलता है, खत्म नहीं होता: हमने फिल्मों और कहानियों में प्रेम का जो चेहरा देखा है, उसमें हर दिन सरप्राइज और रोमांच होता है। लेकिन वास्तविक जीवन में प्रेम का दूसरा रूप भी होता है। वह सुबह की चाय पछने में है, एक-दूसरे की



समझें ये पांच संकेत

- पांच संकेत, जो बताते हैं कि आपको अपने दांपत्य रिश्ते से नहीं, उसकी विनयता से ऊब हुई है।
- आपको अपने साथी से शिकायत कम और जीवन की भाग-दौड़ से अधिक शिकायत रहती है।
- छुट्टियों में आप दोनों साथ अच्छा समय बिताते हैं।
- आप आप आप अपने साथी के दुख से परेशान हो जाते हैं।
- आप अलग होने की कल्पना से खुश नहीं, बल्कि बैदैन होते हैं।
- आप केवल पहले जैसी ताजगी वापस चाहते हैं।

यदि ऐसा है तो आपके रिश्ते को समाप्त करने की नहीं, उसे पुनर्जीवित करने की आवश्यकता है।

सलाह

अंजू जैन

पारंपरिक सामाजिक धारणा रही है कि एक स्त्री मां बनने के बाद ही पूर्ण होती है। स्त्री जीवन के लिए मातृत्व को ही सबसे महत्वपूर्ण माना जाता रहा है। हालांकि नए दौर में, 'संतानहीनता' को अभिशाप नहीं माना जाता है। बहुत-सी महिलाएं अब मातृत्व के साथ अपनी अन्य भूमिकाओं को भी महत्व देने लगी हैं। समाज के साथ महिलाओं की सोच में भी यह बदलाव आ रहा है कि हर स्त्री अपने आप में एक 'पूर्ण इकाई' होती है। वह किसी और को जन्म देकर ही नहीं, बल्कि अपने विचारों और कार्यों से भी संपूर्ण बन सकती है।

निष्ठा सकती हैं मेन रोल: अकसर महिलाएं अपनी लाइफ में 'साइड रोल' में नजर आती हैं, उनकी पहचान किसी की पत्नी, किसी की बेटी या फिर किसी की मां की होती है। ऐसे में बहुत-सी महिलाओं का मानना है कि संतानहीन होना, उन्हें यह अवसर देता है कि वे अपनी जीवन-कथा की मुख्य किरदार यानी 'प्रोटागोनिस्ट' बनी रहें। अपने जीवन का मुख्य पात्र होना खुद को यह बताने का तरीका भी है कि 'मैं खुद में संपूर्ण हूं।' इस तरह संतानहीनता कोई खालीपन नहीं, बल्कि एक अलग तरह से भरा हुआ जीवन का रूप हो सकता है।

सही नहीं अभिशाप मानना: समझने वाली बात यह है कि किसी स्त्री के लिए पूर्णता कोई ऐसी वस्तु नहीं है, जिसे बाहर से हासिल किया जाए। यह एक आंतरिक अवस्था है। संतान का होना या न होना एक व्यक्तिगत यात्रा का हिस्सा हो सकता है, लेकिन यह किसी स्त्री के चरित्र, उसकी योग्यता या उसकी ममता का अंतिम पैमाना नहीं हो सकता। एक निःसंतान स्त्री जब खुद को 'अभिशाप' मानने से इनकार कर देती है, तब वह समाज के सामने एक नई मिसाल पेश करती है। अपने



जीवन की डोर अपने हाथों में थामकर, वित्तीय और भावनात्मक रूप से स्वतंत्र होकर जीना ही सच्ची सार्थकता है। याद रखिए, आप अपने जीवन की नायिका हैं और आपकी कहानी, आपकी अपनी उपलब्धियों, खुशियों और स्वाभिमान से मुकम्मल होती है। यह भी समझना जरूरी है कि एक स्त्री की संतान न होना, कभी जैविक मजबूरी होती है, तो कभी उसकी अपनी जीवनशैली का चयन। ऐसे में इसे अभिशाप कहना उन संभावनाओं का अपमान है, जो एक स्वतंत्र स्त्री अपने लिए चुनती है। ममता के हो सकते हैं कई रूप: ममता केवल अपनी संतान के लिए हो, यह जरूरी नहीं। एक निःसंतान स्त्री भी ममतामयी हो सकती है। वह गोद लिए गए बच्चे या आस-पाड़ोस के या अनाथालय के बच्चों या पालतू जानवरों के प्रति भी अपना स्नेह लुटा सकती हैं। महिला का यह व्यवहार भी मातृत्व का ही एक विराट रूप

होता है। ममत्व तो मन का कोमल भाव है, जिसे आप केवल अपने बच्चे पर ही नहीं गोद लिए गए बच्चे या आस-पास के अन्य बच्चों के प्रति भी प्रकट कर सकती हैं। अगर आप हैं संतानहीन: समाजशास्त्री, व्यवहार विशेषज्ञ और मनोवैज्ञानियों का मानना है कि अगर आप संतानहीन हैं तो इसे अभिशाप मानकर हमेशा खुद को गम में डुबाए रखना सही नहीं है। इस स्थिति को भी पॉजिटिव तरीके से यूज किया जा सकता है। अपने सपनों का निवेश: बच्चों की जिम्मेदारी न होना आपको ऐसा 'अतिरिक्त समय' देता है, जिसे आप अपने करियर, हॉबी और व्यक्तिगत विकास में निवेश कर सकती हैं। साथ ही बच्चों के पालन-पोषण के भारी खर्चों से मुक्त होकर, आप अपने आर्थिक संसाधनों का उपयोग घूमने-फिरने, नया कुछ सीखने या समाज के उन बच्चों की मदद करने में कर सकती हैं, जो मूलभूत सुविधाओं से वंचित हैं या जिन्हें वास्तव में जरूरत है। बच्चों के पालन-पोषण में लगने वाली मानसिक और शारीरिक ऊर्जा को आप सेल्फ-केयर और मानसिक शांति में लगा सकती हैं। अनावश्यक मानसिक थकान से बच सकती हैं। इस तरह अपने खालीपन को पॉजिटिव तरीके से भर सकती हैं। कह सकते हैं कि संतानहीन होकर भी अच्छा जीवन जी सकते हैं।

स्किन केयर

शहनाज हुसैन, कंसेल्टेंट/मिस्टर

आपने होंठों को खूबसूरत दिखाने के लिए लिपिस्टिक लगाना अधिकतर महिलाएं पसंद करती हैं। लिपिस्टिक मेकअप का ऐसा हिस्सा है, जिसके बिना पूरे चेहरे का मेकअप अधूरा ही माना जाता है, क्योंकि लिपिस्टिक लगाने से होंठों की सुंदरता बढ़ जाती है। लेकिन क्या आपको पता है कि अलग-अलग रंगों की लिपिस्टिक अलग-अलग तरह के केमिकल्स से बनी होती हैं और आप होंठों पर रंग की परत के साथ केमिकल लेयर भी चढ़ा रही होती हैं? ये ना सिर्फ आपके होंठों की प्राकृतिक चमक और सुंदरता को प्रभावित करती है बल्कि आपकी सेहत के लिए भी बहुत नुकसानदायक होती है। लिपिस्टिक लगाने से होंठों पर दुष्प्रभाव पड़ता है क्योंकि बाजार में उपलब्ध

डाइट सजेसन

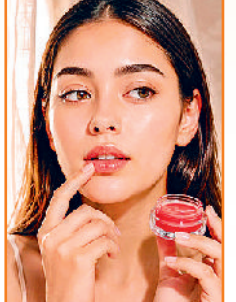
ललित गोगेल

आजकल की भाग-दौड़ भरी लाइफस्टाइल में पिज्जा, बर्गर, चिप्स और पैकेज्ड फूड्स डाइट का हिस्सा बनते जा रहे हैं। लेकिन इससे सबसे बड़ा नुकसान यह हो रहा है कि हमें जरूरी पोषक तत्व फाइबर नहीं मिल पाता है। इससे कब्ज, थकान और मोटापे जैसी परेशानियां बढ़ती हैं। हेल्दी रहने के लिए फाइबर से भरपूर डाइट लेना क्यों जरूरी है और फाइबर युक्त आहार के लिए डाइट में क्या शामिल करें, इस बारे में जरूरी सजेशंस। फाइबर का रोल: फाइबर रिच फूड्स के सेवन से मेटाबॉलिज्म बूट्ट होता है। फाइबर न केवल डाइजेशन को सही रखता है बल्कि फाइबर के भी लंबे समय तक कंट्रोल करता है और वेटलॉस में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इसके अलावा डाइट में फाइबर लेने से बैड कोलेस्ट्रॉल कम होता है, ब्लड शुगर कंट्रोल में रहता है, एनर्जी लेवल बरकरार रहता है, पाचन क्रिया बेहतर होती है, इम्यून सिस्टम मजबूत बनता है, स्किन ग्लो करती है और हार्ट प्रॉब्लम्स से भी बचाव होता है।



लिप्स के लिए हार्मफुल है केमिकल बेस्ड लिपिस्टिक

अधिकांश लिपि ग्लॉस और लिपिस्टिक में क्रोमियम, लेड, एल्युमिनियम, कैडमियम और कई अन्य हार्मफुल तत्व मौजूद पाए जाते हैं। स्किन एलर्जी का कारण: लिपिस्टिक में मौजूद रसायनों की वजह से होंठों में जलन, दाने या होंठों के आसपास झनझनाहट जैसी समस्या महसूस हो सकती है। साथ ही होंठों के आस-पास की स्किन भी प्रभावित हो सकती है। ऐसा लिपिस्टिक में बिस्मथ ऑक्सीक्लोराइड नामक केमिकल की वजह से हो सकता है। लिपिस्टिक में रंग बनाने के



लिपि मैंगनीज, लेड और कैडमियम का इस्तेमाल किया जाता है, जिसकी वजह से होंठों की एलर्जी हो सकती है, आपके होंठ काले पड़ सकते हैं और वो बार-बार सूख कर फट सकते हैं। लिपिस्टिक के ज्यादा इस्तेमाल से स्किन के छिद्र बंद हो जाते हैं। इंटरनल हेल्थ के लिए हार्मफुल: लिपिस्टिक का इस्तेमाल करने से पेट संबंधी रोगों का खतरा बढ़ जाता है। होंठों पर लगाई जाने वाली लिपिस्टिक कभी-कभी भोजन करने के दौरान पेट में चली जाती है, जिसकी वजह से

डाइजेशन सही रखने के साथ ही ब्लड शुगर और कोलेस्ट्रॉल को कंट्रोल करने में फाइबर इंफॉर्टेंट रोल निभाता है। इसलिए अपनी डेली डाइट में फाइबर को जरूर शामिल करें।

डाइट में शामिल करें फाइबर आप रहेंगी हेल्दी

फाइबर रिच फूड खाने का सही समय: फाइबर रिच फूड, दिन के किसी भी समय लिया जा सकता है, लेकिन सुबह या दोपहर में लेना सबसे फायदेमंद रहता है क्योंकि इस समय पाचन सबसे एक्टिव होता है। रात में भारी फाइबर फूड खाने से डाइजेशन धीमा हो सकता है। फाइबर की कमी के लक्षण: शरीर में फाइबर की कमी होने पर कई लक्षण दिख सकते हैं। आपको इन लक्षणों पर नजर रखनी चाहिए। फाइबर की कमी होने पर गैस, भूख को भी लंबे समय तक कंट्रोल करता है और वेटलॉस में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इसके अलावा डाइट में फाइबर लेने से बैड कोलेस्ट्रॉल कम होता है, ब्लड शुगर कंट्रोल में रहता है, एनर्जी लेवल बरकरार रहता है, पाचन क्रिया बेहतर होती है, इम्यून सिस्टम मजबूत बनता है, स्किन ग्लो करती है और हार्ट प्रॉब्लम्स से भी बचाव होता है।

फाइबर की कमी के लक्षण: शरीर में फाइबर की कमी होने पर कई लक्षण दिख सकते हैं। आपको इन लक्षणों पर नजर रखनी चाहिए। फाइबर की कमी होने पर गैस, भूख को भी लंबे समय तक कंट्रोल करता है और वेटलॉस में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इसके अलावा डाइट में फाइबर लेने से बैड कोलेस्ट्रॉल कम होता है, ब्लड शुगर कंट्रोल में रहता है, एनर्जी लेवल बरकरार रहता है, पाचन क्रिया बेहतर होती है, इम्यून सिस्टम मजबूत बनता है, स्किन ग्लो करती है और हार्ट प्रॉब्लम्स से भी बचाव होता है।



बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। फाइबर शरीर में ब्लड शुगर के लेवल को धीरे-धीरे रिलीज करने में मदद करता है। फाइबर की कमी होने से ब्लड शुगर अचानक बढ़ता और घटता है, जिससे दिन भर थकावट, सुस्ती और कमजोरी महसूस होती है। फाइबर आंतों में जाकर खराब कोलेस्ट्रॉल को सोख लेता है और शरीर से बाहर निकालने में मदद करता है। फाइबर की कमी से शरीर में कोलेस्ट्रॉल का लेवल बढ़ने लगता है।

फाइबर रिच फूड्स: सब्जियों के अलावा ओट्स, ब्राउन राइस, साबुत अनाज, दालें, नट्स, सेब, केला और चिया सीड्स से भी फाइबर मिलता है। रोज सुबह ओट्स या फ्रूट सलाद लेने से फाइबर की जरूरत का बड़ा हिस्सा पूरा हो सकता है। इनके अलावा चोकर वाले आटे, मल्टीग्रेन आटा, दलिया, ब्राउन राइस और छिलके वाली दालों (जैसे साबुत मूंग, चना, राजमा) में भरपूर फाइबर होता है। फाइबर के बेहतरीन स्रोत सेब, अमरूद, नाशपाती, संतरा और पपीता जैसे फल होते हैं। कच्चा सलाद (खीरा, गाजर, चुकंदर, पतागोभी, टमाटर), बादाम, अखरोट, अलसी के बीज और चिया सीड्स से भी हमें फाइबर मिलता है। फाइबर शरीर में तभी सही से काम करता है, जब पर्याप्त मात्रा में पानी पीया जाता है। इसलिए डाइट में फाइबर का मात्रा बढ़ाने के साथ-साथ दिन में कम से कम 8-10 गिलास पानी जरूर पीना चाहिए। (डाइटीशियन शीला सहरावत से बातचीत पर आधारित)

ख़बर संक्षेप

जांच में खरी उतरी है
मिवानी शहर की सड़क

भिवानी। लोक निर्माण विभाग द्वारा शहर में तोशाम बाईपास से विश्वकर्मा चौक तक जर्जर हो चुकी सड़क का नव निर्माण करवाया गया है। चार किलोमीटर लंबी इस सड़क के निर्माण पर करीब साढ़े तीन करोड़ रुपए खर्च हुए हैं। निर्माण सामग्री की जांच के लिए विभाग द्वारा थर्ड पार्टी से भी जांच करवाई जा चुकी है, जो पैमाने पर खरी उतरी है।

हलवासिया विद्या विहार में
विश्व बंधुत्व दिवस मनाया

भिवानी। विवेकानंद केंद्र कन्याकुमारी विभाग द्वारा हलवासिया विद्या विहार स्कूल में 11 सितंबर 1893 को शिकागो विश्व धर्म सम्मेलन में स्वामी विवेकानंद द्वारा ऐतिहासिक सिंह गर्जना की स्मृति में विश्व बंधुत्व दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया। मुख्य वक्ता के सेवानिवृत्त आईएसएस अधिकारी चंद्रशेखर तलवार ने शिरकत ने स्वामी विवेकानंद के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर की। तलवार ने कहा कि स्वामीजी ने व्यक्ति निर्माण से राष्ट्र पुनर्निर्माण का मंत्र दिया।

मजदूरों की मांगों को
लेकर सौपा झापन

बाढ़ड़ा। संयुक्त निर्माण मजदूर मोर्चा की ओर से निर्माण एवं मनरेगा मजदूरों की लंबित मांगों को लेकर बाढ़ड़ा की अनाजमंडी में बैठक हुई। बैठक की अध्यक्षता ब्लॉक प्रधान भूपसिंह नाथा ने की। बैठक के बाद मजदूरों की मांगों को लेकर एसडीएम आशीष कुमार को ज्ञापन भी सौंपा।

बापोड़ा में खिलाड़ियों को 25
हॉकी स्टिक वितरित की

भिवानी। राजकीय कन्या वमावि बापोड़ा की हॉकी नर्सरी की खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने के लिए 25 हॉकी स्टिक वितरित की गई। यह सराहनीय पहल बापोड़ा निवासी रिटायर्ड कैप्टन मंगल सिंह तथा उम्मा गैस एजेंसी के मालिक सुनील कुमार के सहयोग से की गई। हॉकी खिलाड़ियों को खेल सामग्री उपलब्ध करवाने पर विद्यालय परिवार एवं खिलाड़ियों ने सभी सहयोगकर्ताओं का आभार व्यक्त किया।

बंद आधार कार्ड मशीन
को चलवाने की मांग की

तोशाम। अलखपुरा ग्राम पंचायत व ग्रामीणों ने उपमंडल केंद्र पर बंद पड़ी आधार कार्ड मशीन को चलवाए जाने की मांग की है। ग्रामीणों ने सरपंच अभय सिंह के नेतृत्व में नायब तहसीलदार अशोक कुमार को ज्ञापन सौंपा है। ज्ञापन बताया गया कि तोशाम उपमंडल केंद्र पर आधार कार्ड मशीन काफी दिनों से बंद पड़ी है जिसके कारण लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

सेवा संकल्प अभियान
को लेकर की बैठक

तोशाम। एसडीएम संदीप कुमार की अध्यक्षता में उनके कार्यालय में सेवा संकल्प अभियान के तहत 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक किए जाने वाले कार्यक्रमों को लेकर तोशाम विधानसभा क्षेत्र के सभी बीएलओ व अन्य अधिकारियों की बैठक आयोजित हुई। बैठक के दौरान एसडीएम ने सेवा संकल्प अभियान में लिए गए 14 माईक्यूल के सफल क्रियावचन को लेकर बीएलओ को जिम्मेदारियां सौंपी।

सुनीता भारीवास बर्नी
लॉक की श्रेष्ठ माता

बाढ़ड़ा। खंड बाढ़ड़ा के महिला एवं बाल विकास विभाग के खंड कार्यालय में सोमवार को 9वें राष्ट्रीय पोषण माह कार्यक्रम का आयोजन हुआ। कार्यक्रम में गर्भवती महिलाओं, आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं और विभागीय अधिकारियों ने भाग लिया। इस वर्ष पोषण माह की थीम हमारी आंगनवाड़ी, हमारी जिम्मेदारी रखी गई है, जो 9 सितंबर से 8 अक्टूबर तक मनाया जा रहा है। सीडीपीओ गीता सहारन ने बताया कि कार्यक्रम में श्रेष्ठ माता सम्मान समारोह आकर्षण का केंद्र रहा। बाढ़ड़ा खंड की प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त करने वाली 24 माताओं का चयन किया, जिनमें ब्लॉक स्तर पर सुनीता भारीवास ने प्रथम रही।

दिव्यांग बच्चों ने भजनों की प्रस्तुति देकर वातावरण को भक्तिमय बनाया

विघ्नहर्ता भगवान गणेश देवताओं
में प्रथम पूजनीयः डॉ. धर्मवीर दिल्ली



भिवानी। गणपति बप्पा को विराजमान करते अतिथि व दिव्यांग बच्चे। फोटो: हरिभूमि

आस्था स्पेशल स्कूल संस्कारों की पाठशाला

श्रीगणेश चतुर्थी पर आस्था स्पेशल स्कूल में दिव्यांग बच्चों के बीच भगवान श्री गणेश की श्रद्धापूर्वक पूजा-अर्चना कर गणपति महाराज को विराजमान किया। कार्यक्रम के दौरान विद्यालय परिसर गणपति बप्पा के जयकारों और भजनों से भक्तिमय हो उठा। कार्यक्रम का शुभारंभ भगवान गणेश के जयघोष के साथ हुआ। दिव्यांग बच्चों ने अनेक सुंदर भजनों की प्रस्तुति देकर वातावरण को भक्तिमय बना दिया। इसके पश्चात मुख्यअतिथि प्रसिद्ध समाजसेवी डॉ. धर्मवीर दिल्ली एवं जिला बार एसोसिएशन के प्रधान

पूजा-अर्चना की विधि संस्था के संस्थापक विजय शर्मा ने संपन्न करवाई। डॉ. धर्मवीर दिल्ली ने कहा कि भगवान गणेश देवताओं में प्रथम पूजनीय हैं और उन्हें विघ्नहर्ता के रूप में जाना जाता है, वे रिद्धि-सिद्धि एवं शुभता के दाता हैं। उन्होंने कहा कि आस्था स्पेशल स्कूल वास्तव में संस्कारों की पाठशाला है, जहां दिव्यांग बच्चों को शिक्षा एवं पुनर्वास के साथ-साथ सामाजिक, सांस्कृतिक और धार्मिक गतिविधियों से जोड़कर उनके सकारात्मक ऊर्जा एवं संस्कारों का संचार किया जा रहा है। जिला बार

एसोसिएशन के प्रधान एडवोकेट युधिष्ठिर वत्स ने कहा कि स्कूल स्टाफ दिव्यांग बच्चों के लिए जुनून और समर्पण की भावना से कार्य कर रहा है। गणेश चतुर्थी का ये आयोजन विद्यालय की प्राचार्य एवं संचालिका एडवोकेट सुमन शर्मा की अनूठी प्रेरणा, सोच और संकल्प का परिणाम है। गणपति आरती एवं जयघोष के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ। कार्यक्रम में डॉ. तरुण कुलश्रेष्ठ, अनूपा कुलश्रेष्ठ, सुमन वत्स, अनुष्ठा व उषा सहित दिव्यांग बच्चे एवं विद्यालय का समस्त स्टाफ उपस्थित रहे।

एडवोकेट युधिष्ठिर वत्स ने स्कूल स्टाफ एवं दिव्यांग बच्चों के साथ भगवान गणेश को विधि-विधान से विराजमान करवाया।



भिवानी। गणेश उत्सव में गणपति बप्पा का दरबार व उपस्थित श्रद्धालु।

'गणेश चतुर्थी समाज को समाज को
सौहार्द के सूत्र में पिरोने का माध्यम'

मिवानी। कृष्णा कॉलेजी स्थित श्रीराम मंदिर में सोमवार को जामपुर सेवा समिति ने द्वितीय वार्षिक गणेशोत्सव श्रद्धा, उल्लास एवं वैदिक मंत्रोच्चार के बीच शुरू किया। इस धार्मिक आयोजन के पहले दिन सुबह 11 बजे शुभ मुहूर्त में भगवान श्री गणेश की प्रतिमा की पूर्ण विधि-विधान के साथ प्राण-प्रतिष्ठा एवं स्थापना की। गणपति बप्पा के आगमन के साथ ही पूरा मंदिर परिसर गणपति बप्पा मोरया और मंगलमूर्ति मोरया के जयकारों से गूंज उठा। समिति के महासचिव विनोद ने बताया कि 14 सितंबर से शुरू हुआ गणेशोत्सव 24 सितंबर को गणेश विसर्जन तक लगातार 11 दिनों तक धूमधाम से मनाया जाएगा। पंडितों ने विधिवत हवन-पूजन संपन्न करवाया, जिसमें बड़ी संख्या में क्षेत्र के श्रद्धालुओं ने भाग लेकर प्रथम पूज्य भगवान गणेश का आशीर्वाद प्राप्त किया। उन्होंने कहा कि कहा कि गणेश चतुर्थी का यह पावन पर्व न केवल हमारी आस्था का प्रतीक है, बल्कि ये पूरे समाज को एकजुटता और सौहार्द के सूत्र में पिरोने का माध्यम भी है। प्रथम दिन भगवान श्रीगणेश की स्थापना अर्थात् हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुई है। उत्सव के दौरान प्रतिदिन प्रातः 10 बजे और संध्या 7:30 बजे आरती होगी। वहीं हर शाम 5 बजे से 7:30 बजे तक दैनिक उत्सव और भजन-कीर्तन चलेगा, जिसमें श्रद्धालु प्रभु भक्ति का आनंद लेंगे। वहीं 23 सितंबर को दोपहर 12 से 2 बजे तक भंडारा होगा।

अस्पताल में सभी की मंगल कामना के लिए प्रार्थना

- पंडित शास्त्री ने संपन्न कराया पूजन, 5 दिनों तक दोनों समय होगी भव्य आरती व प्रसाद वितरण : डा. अंचल



हरिभूमि न्यूज ►►मिवानी

गणेश चतुर्थी के अवसर पर सोमवार को भिवानी के अंचल मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल एवं मैटर्निटी सेंटर में भगवान श्री गणेश का विधिवत आगमन हुआ।

इस दौरान ढोल-नगाड़ों, कीर्तन और भजनों के साथ पूरे हर्षोल्लास के साथ गणपति बप्पा की स्थापना की गई। पंडित द्वारा विधि-विधान से पूजा-अर्चना की गई, उसके बाद भव्य आरती हुई और सभी मरीजों,

स्टाफ और उपस्थित लोगों में प्रसाद का वितरण किया गया। सभी की मंगल कामना के लिए प्रार्थना की गई। इस अवसर पर अस्पताल के निदेशक डा. विनोद अंचल व डा. अनिता अंचल ने बताया कि

भगवान गणेश को प्रथम पूज्य देवता माना जाता है। हम जीवन के हर संकट में, हर दुःख में सबसे पहले उन्हें ही याद करते हैं। अस्पताल में भी जब कोई नया कार्य शुरू करना हो या कोई ऐसी सर्जरी हो जिसमें

पांच दिन बाद विसर्जन

इस मौके पर पंडित सत्यनारायण शास्त्री ने बताया कि आज किस शुभ पक्ष और वक्षत्र में गणेश जी की स्थापना की गई है। पूजा बहुत ही अच्छे और विधिवत तरीके से संपन्न हुई। उन्होंने कामना की कि विघ्नहर्ता गणेश जी सभी के दुखों को हरे। उन्होंने बताया कि 5 दिनों तक सुबह-शाम दोनों समय बाकायदा आरती और पूजा की जाएगी और पांच दिन बाद विसर्जन किया जाएगा।

थोड़ा भी डर लगता है, तो हम भगवान गणेश का नाम लेकर ही उसकी शुरुआत करते हैं। हमारी प्रार्थना है कि गणपति बप्पा की कृपा हम सब पर बनी रहे।

- घर से विदाई के दौरान गणपति घर के सारे दुख एवं संकट ले जाते हैं अपने साथ : क्षेत्रवासी अनुप टेला

हरिभूमि न्यूज ►►मिवानी

गणेश चतुर्थी के अवसर पर चूहड़ सिंह की बाजारी पुराना पटवार खाना में भगवान श्रीगणेश की पूजा-अर्चना कर उनकी प्रतिमा स्थापित की गई। इस दौरान क्षेत्रवासी बँड-बाजे के साथ नाचने-गाते हुए प्रतिमा स्थापित की गई। इस दौरान पूरा वातावरण बप्पा के नारों से भक्तिमय हो गया। क्षेत्रवासी अनुप टेला ने बताया कि पौराणिक कथाओं के अनुसार



चरखी दादरी। शहर में गणपति बप्पा की शोभायात्रा निकालते श्रद्धालु।

ढोल-नगाड़ों के साथ निकली
गणपति बप्पा की शोभायात्रा

- विश्व जनकल्याण की कामना के साथ श्रीकृष्ण गौशाला में गणेश महोत्सव का शुरु

पूजा-अर्चना की

शोभायात्रा में पूरे मार्ग में श्रद्धालुओं ने गणपति बप्पा के जयकारों से वातावरण को भक्तिमय बना दिया। गौशाला पहुंचने पर पंडित अमित शास्त्री ने वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ श्रीगणेश महाराज की पूजा-अर्चना करवाई। पूर्व बैक अधिकारी तरसेम मित्तल एवं उनके परिवार ने पूजन में भाग लिया। इस अवसर पर पंडित अमित शास्त्री ने कहा कि भगवान श्रीगणेश विघ्नों के विनाश और शुभ कार्यों के आरंभ के देवता हैं। गणेश महोत्सव केवल धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि समाज में श्रद्धा, संस्कार, एकता, सेवा और सकारात्मक ऊर्जा का संचार करने वाला पर्व है। श्रीकृष्ण सेवा दल के प्रधान शिवकुमार गर्ग ने कहा कि गणेश महोत्सव का मूल भाव केवल पूजा-अर्चना तक सीमित नहीं है, बल्कि सर्वजन कल्याण, सुख-शांति और समाज में आपसी प्रेम की कामना करना है।

गर्ग, श्रीकृष्ण वरिष्ठ नागरिक सेवा सदन के व्यवस्थापक एवं भूतपूर्व सैनिक राधेश कुमार, रामावतार मैनेजर, नवदीप सिंघल सहित अन्य सदस्यों ने भारत सरकार के छात्र-छात्राओं तथा अध्यापिकाओं को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया।

भाजपा जिला अध्यक्ष वीरेंद्र कौशिक की अध्यक्षता में हुई पत्रकारवार्ता

सेवा संकल्प अभियान में हर वर्ग की
भागीदारी सुनिश्चित होगी : सुनीता



पत्रकारों से बातचीत करते हुए।

भारतीय जनता पार्टी द्वारा चलाए जाने वाले सेवा संकल्प अभियान को लेकर भिवानी रैस्ट हाउस में पत्रकार वार्ता आयोजित की गई। पत्रकार वार्ता की अध्यक्षता भाजपा जिला अध्यक्ष वीरेंद्र कौशिक ने की।

इस दौरान भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष सुनीता दुग्गल ने अभियान की विस्तृत रूपरेखा और इसके तहत आयोजित होने वाली विभिन्न गतिविधियों की जानकारी

दी। सुनीता दुग्गल ने बताया कि 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक चलने वाले सेवा संकल्प अभियान का उद्देश्य सेवा के कार्यों को व्यापक

जनभागीदारी से जोड़ना है। अभियान के माध्यम से समाज के विभिन्न वर्गों, युवा, महिलाएं, वरिष्ठ नागरिक, सामाजिक

कार्यकर्ता, स्वयंसेवी संस्थाएं, धार्मिक एवं सामाजिक संगठन तथा विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े लोगों को सहभागी बनाया जाएगा।



भिवानी। सांसद दीपेंद्र सिंह हुड्डा को सम्मानित करते हुए।

मिवानी की आवाज बुलंद करेंगे
समीर खटीक : सांसद दीपेंद्र

हरिभूमि न्यूज ►►मिवानी

कांग्रेस पार्टी के कार्यक्रम में प्रदेश कांग्रेस कमेटी के एससी विभाग के नवनियुक्त प्रदेश उपाध्यक्ष समीर खटीक ने कांग्रेस सांसद दीपेंद्र सिंह हुड्डा से मुलाकात की। इस दौरान समीर खटीक ने सांसद को पुष्पचुच्छ भेंट कर उन्हें यह नई जिम्मेदारी सौंपे जाने पर आभार एवं धन्यवाद व्यक्त किया। इस मुलाकात के दौरान जिले की वर्तमान स्थिति, जनसमस्याओं तथा रख रखाव से जुड़े समस्याओं को संगठन के माध्यम से आगे बढ़ाने का काम करें। समीर खटीक ने

भिवानी शहर एवं ग्रामीण क्षेत्रों की प्रमुख समस्याओं को प्रमुखता से उठाया। सांसद दीपेंद्र सिंह हुड्डा ने समीर खटीक को नई जिम्मेदारी मिलने पर बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। दीपेंद्र हुड्डा ने समीर खटीक को निर्देश दिया कि वे जमीनी स्तर पर आम लोगों के जुड़कर उनकी समस्याओं को संगठन के माध्यम से आगे बढ़ाने का काम करें।

शिविर में एसडीएम ने
सुनीं जन समस्याएं

भिवानी। डीसी साहिल गुप्ता के मार्गदर्शन में सोमवार को लघु सचिवालय स्थित डीआरडीए हॉल में समाधान शिविर का आयोजन हुआ। शिविर में एसडीएम महेश कुमार ने लोगों की समस्याएं सुनीं और संबंधित विभागों के अधिकारियों को शिकायतों का प्राथमिकता के आधार पर समाधान करने के निर्देश दिए। एसडीएम के समक्ष तिगड़ाना के राहुल ने वर्ष 2022-23 की जमाबंदी पैमाइश रिपोर्ट दिलवाने बारे, जमालपुर के लोकेश ने ओबीसी प्रमाण पत्र बनवाने बारे, तोशाम के जितेंद्र सिंह ने धोखाधड़ी होने पर पुलिस कार्रवाई करवाने, कुंगड़ के जयबीर ने रजिस्ट्री का इंतकाल करवाने की मांग रखी।

बोली सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि महाश्रम पंचायत चांग, खंड एवं जिला भिवानी के अंतर्गत कंडम पोषित आशान व सादान वाई 18 (पाना की चौपाल) के पुराने/ध्वस्त ढांचे (मटबे एवं प्रयुक्त सामग्री) की खुली बोली के माध्यम से सार्वजनिक नीलामी 19 सितंबर 2026 शनिवार को सुबह 10 बजे की जानी है। नियम एवं शर्तों में को पत्र हो बताए जाएंगे, इच्छुक बोलीदाता निर्धारित तिथि, समय एवं स्थान पर पहुंचकर बोली प्रक्रिया में भाग ले सकते हैं। श्रीमती सुश्रमा शर्मा, सरपंच, महामात्र पंचायत चांग

चुनाव प्रचारक प्रबंधक कमेटी दि गोलामाद बहुउद्देशीय प्राथमिक कृषि सहकारी समिति लि० गोलामाद				चुनाव तिथि: 25.10.2026	
क्र.सं.	विवरण	तिथि व समय	स्थान		
1.	उप नियम 35 के उप पैर 2 के अधीन यथाअर्थित मतदाताओं की सूची का प्रदर्शन	दिनांक 17.09.2026 से 23.09.2026 तक	1. कार्यालय निरीक्षक सहकारी समितियां केन्द्र, 2. कार्यालय सहायक रजिस्ट्रार सहकारी समितियां भिवानी, 3. कार्यालय दी गोलामाद उप-पैक्स लि० गोलामाद व समिति के भित्ति केन्द्र, 4. उप रजिस्ट्रार सहकारी समितियां भिवानी		
2.	पैर 35 के उप पैर 4 के अधीन यथाअर्थित मतदाताओं की सूची से संबंधित आवेगों की सुनवाई	दिनांक 25.09.2026 प्रातः 10:00 बजे से दोपहर 1:00 बजे तक	कार्यालय सहायक रजिस्ट्रार सहकारी समितियां भिवानी स्थित लघु सचिवालय प्रथम मंजिल भिवानी।		
3.	नामांकन पत्र दायर करना	दिनांक 05.10.2026 10:00 बजे से सांय 2:00 बजे तक	उपरोक्त.....		
4.	नामांकन पत्रों की समीक्षा	दिनांक 07.10.2026 प्रातः 10:00 बजे	उपरोक्त.....		
5.	वैध नामांकन पत्रों की सूची का प्रदर्शन	दिनांक 07.10.2026 दोपहर 02:00 बजे	उपरोक्त.....		
6.	नामांकन पत्र वापिस लेना	दिनांक 14.10.2026 सांय 02:00 बजे तक	उपरोक्त.....		
7.	उम्मीदवारों को चुनाव चिन्हों का आवंटन और विविधमत नमिति रूप से नामानिज्ड उम्मीदवारों की सूची का प्रदर्शन	दिनांक 14.10.2026 सांय 03:00 बजे से सांय 05:00 बजे तक	उपरोक्त.....		
8.	मतदान कराना यदि आवश्यक हो तो	दिनांक 25.10.2026 प्रातः 08:00 बजे से सांय 04:00 बजे तक	निम्नलिखित स्थान पर होगा चुनाव		
क्र.सं.	मतदान केन्द्र	पॉलिंग स्थान	गांव जिन्के मतदान होने है	मतदाता सूची की क्रम संख्या	कुल मत
1.	बूध नं. - 01 गोलामाद	कार्यालय दी गोलामाद उप-पैक्स लि० गोलामाद	गोलामाद, पक्षवल्ली, नंगला, खैरपुर, ढाणी शंकर	1 से 980 तक	980
2.	बूध नं.-2 आसलवास दुमिया	कार्यालय पंचायत घर आसलवास दुमिया	आसलवास मरैटी, आसलवास दुमिया, भागड़ा, हाँपुर गोलपुर	981 से 1829 तक	849
(1) इस सदस्य प्रबंधक कमेटी में चुने जाने हैं जिनमें से 7 कृषक सदस्य हों।				(कृषक चन्द्र)	
(2) एक पद अनुसूचित वर्ग के लिए आरक्षित, दो पद महिलाओं के लिए आरक्षित व एक पद बी.सी. वर्ग के लिए				(चुनाव अधिकारी)	
(3) मतदान के समय सभी मतदाता अपना फोटोयुक्त पहचान पत्र साथ लें।				सहायक रजिस्ट्रार, सहकारी समितियां भिवानी	

